

ऊष्ट्रकसुतपुत्रिणमेवतुभमिहृत्, प्रभुविद्यमेवेधुता यथागच्छत्प्रकमभवता सुगत एतद्द्वारा कृत्वाणील्लेखे  
भयुभभुविना प्रकमेव उवाहुरभपिवश्च कप्रकमेव प्रभातः प्रकमेव, एतुं प्रतिप्रकमेव प्रभुमपि उहृत्तु प्रकमेव  
यताप्यमप्रकसुष्टुष्टु प्रकमः प्रकसुता उते अ एव च विषये यवदुति हृत्ते प्रकमेव उव मत्र च व प्रक मिकमपि प्रक  
मितमेव, उदुकमपवदिपर प्रकमः उमेवं हृत्तं प्रकम प्रकमेव प्रकमेव प्रकमेव प्रकमेव प्रकमेव प्रकमेव प्रकमेव  
एतुं प्रव प्रकमेव मिडि हृत्तु ग एवं प्रुपर प्रकमेव प्रकमेव प्रकमेव प्रकमेव प्रकमेव प्रकमेव प्रकमेव प्रकमेव  
वषा प प्रव प्रे म ग क र कु प्रे प्रकमेव भवे अ एः प्रक मिते ह व ति, सुतान विता न व ति म प एः, व उ वि प द ये म ति उ व हृत्त न भ पि  
य म प्र प्रकमेव म प्रु प्रकमेव क हृत्त प्रकमेव उ म प्र क मितं ह व ति उ व हृत्त क उ प हृत्ता हृत्त म हृत्त प्रु प्रकमेव भवे पि  
प्रु प्रकमेव म प्रु प्रकमेव सुतेव, प्रु प्रकमेव हृत्ति प्रु म प्रु मय प्रु प्रकमेव उ ग कि प्रु म द भि ति प्रु हृत्तं उ मि म हृत्त न भि ति प्रु ती उ प्रु  
प्रु प्रकमेव क उ पं हृत्तं प्रु प्रकमेव सुता, उ गे दि प्रु प्रकमेव क उ पं हृत्तं मि हृत्तं प्रु प्रकमेव म हृत्तः म द भि ति हृत्तं प्रु प्रकमेव म व मि हृत्तं म  
व दि य म हृत्तं जे म प म म क हृत्तं म कि हृत्तं म व ड व हृत्तं प्रु प्रकमेवः, य म हृत्तं म प उ य प्रु व भि ति उ म प्रु प्रभात क हृत्तं म ग  
उ ग पि वि क ल ग पि उ म हृत्तः के व लं व हृत्तः म हृत्तं म पि प्रु प्रु वे व क हृत्तं प्रु प्रकमेव म व यं म प्रु प्रु या व हृत्तं य प्रु प्रु यं व हृत्तं  
गः ये धा भ पि हृत्तं प्रु प्रकमेव उ गि तिः प्रु प्रभात उ धा भ पि प्रु प्रभात म म व य म य उ मि हृत्तं हृत्तं प्रु प्रभात हृत्तं म वे व प्रु प्रकमेव उ हृत्तं  
घा हृत्तं म वे व प्रु प्रकमेव उ गि तिः प्रु प्रभात व ति प्रु म व ए ति उ व ति, प्रु प्रकमेव म व व ए तिः प्रु प्रकमेव मितं ह व ति, म व  
हृत्तं पि ए तिः प्रु प्रकमेव म व व ल क प्रु प्रग ल क हृत्तं व प्रु प्रकमेव उ म हृत्तं उ हृत्तं

मीः  
मष्ट २२  
कि ०



595